मत कर इतना मुझको मजबूर

मत कर इतना मुझको मजबूर साँवरे,
क्यूँ हो गया हैं मुझसे तू दूर साँवरे ॥

तेरी गलियों में मेरा आना जाना रहें ,
हर पल तेरा प्यार पाना रहें ,
तेरी गलियों से होउ मशहूर साँवरे,

इन नैनों की तृष्णा मिटादो हरि ,
मुझे राधा संग दर्शन दिखादो हरि ,
मिल जाए मेरे दिल को सरूर साँवरे,

भाव लिख लिख श्यामा मैं सुनाता रहूँ ,
प्रेम भरे स्वर से तुझको रिझाता रहूँ ,
तुम आना मेरे घर पे जरूर साँवरे,

तेरे नैनों का अमृत मैं हर पल पियूँ ,
चाहे मर जाऊँ चाहे तेरे दर जियूँ ,
तेरे "पवन" के होवे गम दूर साँवरे,

वो नैनों का लम्हा तेरा इक इशारा कर गया,
मुझे ब्रिज की गलियों में अवारा कर गया ,

भाव व् स्वर : (लाडला पवन वर्मा)

https://www.bhajanganga.com/bhajan/lyrics/id/4270/title/mat-kar-itna-mujhko-majhbor-sanware-kyu-ho-geya-hai-mujhse-tu-dur-sanware

अपने Android मोबाइल पर BhajanGanga App डाउनलोड करें और भजनों का आनंद ले |